

[अनुवाद]

**अध्यक्ष महोदया** : किसी भी स्थिति में गृहमंत्री जी उत्तर देंगे।

...(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदया** : बहुत हो गया। मैंने स्वविवेक से इसकी अनुमति दी है; और कृपया मेरी बात सुनिए और मुझे सभा चलाने दीजिए।

[हिन्दी]

**श्री लालू प्रसाद (सारण)** : आप ही अगर गुस्से में रहेंगी तो हाउस कैसे चलेगा?

**अध्यक्ष महोदया** : मैं गुस्से में नहीं हूँ, लालू जी। आपको भी बोलने के लिए बुलाऊंगी।

[अनुवाद]

**अध्यक्ष महोदया** : माननीय प्रधानमंत्री जी।

...(व्यवधान)

**डॉ. मनमोहन सिंह** : अध्यक्ष महोदय, मैं चर्चा में उठाए गए विभिन्न प्रश्नों का उत्तर देने के लिए नहीं बल्कि इस सम्मानीय सभा में व्यक्त की गई भावनाओं पर अपनी सहमति व्यक्त करने के लिए खड़ा हुआ हूँ। यह कि हमारे देश के कुछ हिस्सों में गत कुछ दिनों में जो कुछ घटित हुआ है और हमारे देश के विभिन्न हिस्सों में रह रहे उत्तर-पूर्व के लोगों के बीच असुरक्षा की भावना बढ़ रही है जो सबसे निन्दनीय है और यह कि हम सभा को बिना समय गंवाए इस प्रकार की स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए साथ मिलकर काम करना चाहिए।

मैं वचन देता हूँ कि सरकार देश के विभिन्न हिस्सों में रह रहे उत्तर-पूर्व के लोगों के बीच सुरक्षा की भावना पैदा करने के लिए समान सोच वाले लोगों के साथ काम करेगी। उनको भी हर किसी के समान जहां चाहे वहां रहने, कमाने और पढ़ाई करने का अधिकार है।

हमारे देश की एकता और अखंडता को कतिपय घटकों से खतरा हो रहा है और बिना कोई दोषारोपण किए हुए मैं इस सभा से आग्रह करना चाहता हूँ कि हमारे देश के विभिन्न हिस्सों में रह रहे उत्तर-पूर्व के सभी लोगों को बुलंद और स्पष्ट संदेश

भेजे कि हम सभी लोग एक हैं और हम हमारे देश के विभिन्न हिस्सों में रह रहे उत्तर-पूर्व के लोगों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए सब कुछ करेंगे और यह कि यह हमारा उत्तरदायित्व है, जिसका हम पूरी सामर्थ्य से निर्वहन करेंगे, सभी राजनैतिक दल एक साथ हाथ मिलाकर उत्तर-पूर्व के लोगों को स्पष्ट संदेश दें कि हम शांति और भाईचारा बहाल करने के लिए काम करेंगे ताकि इस असुरक्षा की भावना को नियंत्रित किया जा सके...(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदया** : अब, श्री अनंत गंगाराम गीते।

...(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदया** : कुछ भी कार्यवाही वृत्तांत में सम्मिलित नहीं किया जाएगा।

...(व्यवधान)\*

[हिन्दी]

**श्री अनंत गंगाराम गीते (रायगढ़)** : अध्यक्ष महोदया, कांग्रेस की तरफ से अरुणाचल के सांसद बोल रहे थे, हमने उनकी बात को गौर से सुना। उनके दर्द और दुख को भी हमने सुना है, लेकिन जब उन्होंने अपनी बात को समाप्त किया तो अंत में उन्होंने एक साजिश का जिक्र किया। मैं उस बात को सदन में इसलिए दोहराना चाहता हूँ, क्योंकि प्रधान मंत्री जी और गृह मंत्री जी यहां पर उपस्थित हैं। अंत में उन्होंने ये कहा कि मुझे लगता है कि चीन, पाकिस्तान, बांग्लादेश और म्यांमार की शायद ये साजिश भी हो सकती है। अरुणाचल के जो सदस्य हैं, उन्होंने ये बात कही। ..(व्यवधान) मैं जो कहना चाहता हूँ, आप सुनिए।...(व्यवधान)

**श्री निनींग ईरींग** : अध्यक्ष महोदय, शायद मेरी हिन्दी इतनी शुद्ध नहीं होगी, इसलिए मैंने शायद कुछ गलतफहमी में बोला होगा कि ये कुछ ऐसी अंदरूनी या बाहरी ताकतें भी हो सकती हैं। ..(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदया** : आप माननीय सदस्य की बात सुन लीजिए।

...(व्यवधान)

\*कार्यवाही वृत्तांत में सम्मिलित नहीं किया गया।